ऑप्शन्स ट्रेड्रिंग के लिए अतिरिक्त जोखिम प्रकटन दस्तावेज़

ऑप्शन धारक के जोखिम:

1. ऑप्शन धारक को सापेक्षिक रूप से थोड़े समय में ऑप्शन के लिए अदा की गई पूरी राशि को गंवाने का जोखिम वहन करना पड़ता है। यह जोखिम अपक्षय सम्पत्ति के रूप में ऑप्शन की प्रकृति को दर्शाता है जो इसकी समाप्ति पर मूल्यहीन हो जाती है। ऐसा ऑप्शन धारक जो इसकी समाप्ति से पहले न तो द्वितीयक बाजार में अपने ऑप्शन को बेचता है और न ही इसको एक्सरसाइज़ करता है, वह सुनिश्चित रूप से ऑप्शन में निवेश की गई अपनी पूरी राशि को गंवा देगा। यदि ऑप्शन की समाप्ति से पहले, अंतर्निहित हित की कीमत प्रत्याशित दिशा में परिवर्तित नहीं होती, यानि जो ऑप्शन की लागत को कवर करने के लिए पर्याप्त हो, तो संभवत: निवेशक ऑप्शन में अपने पूरे निवेश या उसके बड़े हिस्सा को खो देगा।

2. एक्सचेंज द्वारा प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और कुछ खास समयों पर विनिर्दिष्ट स्थितियों में यह ऑप्शन्स को एक्सरसाइज़ करने को प्रतिबंधित का पूर्ण प्राधिकार रखता है।

ऑप्शन राइटर्स के जोखिम:

1. यदि अंतर्निहित हित की कीमत संबंधी उतार-चढ़ाव प्रत्याशित दिशा में नहीं हैं, तो ऑप्शन राइटर को बड़ी राशि को गंवाने का जोखिम हो सकता है।

2. ऑप्शन राइटर होने के जोखिम को समान अंतर्निहित हित के संबंध में दूसरे ऑप्शन्स की खरीद के द्वारा कम किया जा सकता है और इस प्रकार स्प्रैड पोज़िशन को धारण किया जाता है या ऑप्शन्स बाजारों या अन्य बाजारों में अन्य प्रकार की हैजिंग पोज़िशन्स को प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन, राइटर द्वारा स्प्रैड या अन्य हैजिंग पोज़िशन को धारण ही क्यों न कर लिया गया हो, अभी भी महत्वपूर्ण जोखिम बना रह सकता है। क्योंकि सरल 'लाँग' या ' शॉर्ट' पोज़िशन की तुलना में स्प्रैड पोज़िशन अनिवार्य रूप से कम जोखिमपूर्ण नहीं हो सकती है।

3. ऐसे लेनदेन जिसमें संयोजित रूप से एकाधिक ऑप्शन्स को खरीदना या राइटिंग करना शामिल होता है, या अंतर्निहित हितों के लिए शॉर्ट खरीददारी और बिक्री के संयोजन में खरीददारी या राइटिंग शामिल होता है, उनमें निवेशकों के लिए अतिरिक्त जोखिम निहित रहते हैं। संयोजित लेनदेन, जैसे ऑप्शन स्प्रैड्स, एक ऑप्शन की खरीददारी या राइटिंग की तुलना में अधिक जटिल होते हैं। और साथ ही यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि, जैसाकि निवेश के किसी भी क्षेत्र में होता है, यदि किसी जटिलता को भली भांति नहीं समझा जाता है, वह स्वयं में एक जोखिम कारक बात है। हालांकि यह कहने का आशय यह नहीं है कि संयोजित कार्यनीतियों पर विचार नहीं किया जाना चाहिए, यह सलाह दी जाती है, जैसा कि ऑप्शन्स में किए जाने वाले सभी निवेश के बारे में कहा जाता है, कि किसी ऐसे व्यक्ति से परामर्श किया जाए जो विभिन्न बाजार स्थितियों के अंतर्गत संयोजित लेनदेनों के जोखिमों और संभावित पुरस्कारों के संबंध में अनुभव और जानकारी रखता हो।